माथा पच्ची

मक्खियों की चाल

शतरंज के बोर्ड पर नौ मक्खियाँ बैठी हैं। तुम पाओगे कि किसी भी पंक्ति, स्तम्भ या कर्ण में एक से अधिक मक्खी नहीं बैठी है।

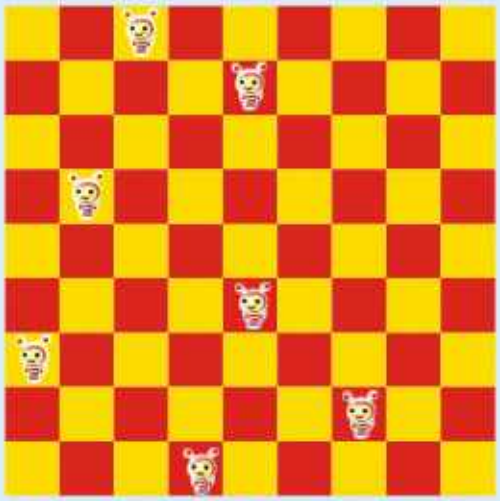

तीन मक्खियाँ चलकर बगल वाले खाली वर्गों में बैठ जाती हैं। बाकी छह अपनी जगह पर बनी रहती हैं। इत्तेफाक से इस नई स्थिति में भी किसी भी पंक्ति, स्तम्भ या कर्ण में एक से अधिक मक्खी नहीं बैठी है।
बताओ, तीन मक्खियाँ अब किन-किन वर्गों में जा बैठी हैं?

गोले में बच्चे

कई सारे बच्चे एक गोले में खड़े हैं। बच्चों के बीच का फासला बराबर है। सोलहवाँ बच्चा चौथे बच्चे के ठीक विपरीत खड़ा है। बताओ, गोले में कुल कितने बच्चे खड़े हैं?

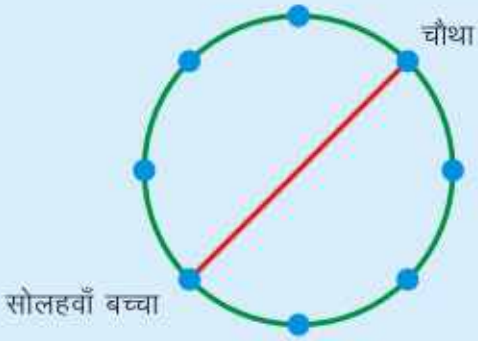

उलझन

खेल के उसूल

विश्व कप का फाइनल। भारत बनाम पाकिस्तान। आखिरी ओवर की आखिरी गेंद। जीत के लिए भारत को सिर्फ एक रन चाहिए।

तुम क्रीज़ पर हो। स्टेडियम में सन्नाटा है। गेंदबाज़ गेंद फेंकता है। गेंद उछलती है। तुम अपना बल्ला उठाते हो। "टक" की आवाज़ हुई और बिना हिचक के तुम दौड़ पड़ते हो। एक रन।

जब तुम मुड़कर देखते हो तो पाकिस्तानी खिलाड़ी आउट! आउट! चिल्लाकर नाच-कूद रहे हैं। गेंद विकेट कीपर के हाथ में है।

पर यह क्या? अम्पायर ने अब तक उगली नहीं उठाई। पाकिस्तानी खिलाड़ी आश्चर्यचकित हैं!

पाकिस्तान का कप्तान अम्पायर के निर्णय पर सवाल उठा रहा है। अम्पायर कह रहा है कि उसने न "टक" की आवाज़ सुनी न गेंद का विस्थापन देखा।

तुमने तो आवाज़ ज़रूर सुनी थी। बाद में रिप्ले ने भी इस की पुष्टि की। पर तुम्हें मालूम है कि अम्पायर का निर्णय फाइनल है।

पाकिस्तान का कप्तान दुखी है। वह तुम्हारे पास आकर कहता है, "तुम जानते हो कि तुमने गेंद को मारा था। और तुम आउट हो।"

इस स्थिति में तुम क्या करोगे? अम्पायर का निर्णय मानोगे या पाकिस्तान के कप्तान (और अपने दिल) की बात? एक तरफ हैं खेल के उसूल और भावना, दूसरी तरफ है जीत की खुशी और देश की इज़्ज़त।

चित्र: अतनु राय